टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी(भाग–१)

डिसेंबर –२०११ परीक्षा

विषय : विशेष साहित्यकार–उपन्यासकार प्रेमचंद (H-104)

दिनांक: २३/१२/२०११ **कुलअंक : १००** **समय : प्रात: १०.०० से दो. १.००**

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

पाठ्यपुस्तके : १) गोदान
२) सेवासदन
३) निर्मला
४) गबन
५) रंगभूमी
— प्रेमचंद

प्रश्न १. अ) 'अपने सभी उपन्यासों को प्रेमचंद जी ने सोद्देश्य लिखा है' प्रस्तुत विधान की पुष्टि कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) उपन्यासों के तत्त्वों के आधारपर 'गबन' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न २. अ) 'प्रेमचंदजी के उपन्यासों में आदर्शवाद एवं यर्थाथवाद का संतुलित चित्रण दिखाई देता है' 'गोदान' और रंगभूमि उपन्यासों के आधारपर स्पष्ट कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) 'सेवासदन' उपन्यास के नायक तथा नायिका का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न ३. अ) उपन्यासकार प्रेमचंद के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए । **(२०)**

अथवा

ब) 'निर्मला' उपन्यास की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए ।

प्रश्न ४. निम्नलिखित संदर्भों में से किन्हीं दो संदर्भों की व्याख्या कीजिए। **(२०)**

१) 'पहले आग लगा दी, अब बुझाने दौडी हो ।'
२) 'तुम्हारी तकदीर खोटी थी बस! और क्या?'
३) 'इस वक्त तुम्हारी सूझ–बूझ देखकर जी खुश हो गया। यही सभी देवियों का धर्म है।'
४) 'पुरुष मनका ही हो तो स्त्री उसके साथ उपवास करके भी प्रसन्न रहेगी ।'
५) महाराज घर में गाय है, न बछिया, न पैसा! यही पैसे हैं। यही इनका गोदान है।

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(२०)**

१) रंगभूमि का सूरदास।
२) 'गबन' में वर्णित समस्याएँ ।
३) प्रेमचंद कालीन कुटुंब व्यवस्था।
४) उपन्यासों में प्रेमचंद जी की भाषा।

———